Price ₹ 5/-

वर्ष-12, अंक-138, जून 20, 2021

हृदय और धड़कन

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. विनीत सांग्रला	+91-99250 15056	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664	डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
		डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. किशोर गुप्ता	+91-99142 81008

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांग्रला	+91-99250 15056
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

मीनीमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स)

जैसे ये विश्व विशाल में से छोटा बनता जा रहा है वैसे ही कार्डियाक सर्जरी भी मेक्सिमली इन्वेसिव में से मीनीमली इन्वेसिव बनती जा रही है। अगर हम कार्डियाक सर्जरी का इतिहास देखे तो पता चलता है की वो सिर्फ १०० साल ही पुराना है।

Long incision
लंबा चीरा

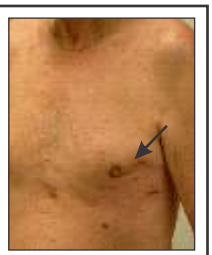

4 inch cut
४ इंच का चीरा

द्रष्टांत के तौर पर देखे तो,

- पहला सफल हार्ट ऑपरेशन : रेहन , १८९६, हार्ट के घाव पे प्रथम बार टाँके लगाए गए
- १९३८ में ग्रॉस द्वारा प्रथम पीडीए क्लोज़र
- १९४८ में ग्रॉस द्वारा प्रथम एएसडी क्लोज़र
- १९५३ में हार्ट लंग मशीन का प्रथम बार उपयोग किया गया
- १९६३ में प्रथम सफल बायपास सर्जरी
- १९९८ में कार्पेन्टियर द्वारा प्रथम रोबोटिक सर्जरी

हार्ट एक लगातार गतिशील एवं क्रियाशील अंग है और उसके साथ ही शरीर के लिए एक अत्यंत संवेदनशील और महत्त्वपूर्ण अंग है। कार्डियाक सर्जरी के दौरान सावचेती बरतना बहुत जरुरी है। जिसकी वजह से अभी तक एंडोस्कोपिक या थोराकोस्कोपिक कार्डियाक सर्जरी में बेपरवाही के लिए स्थान नहीं है। ५ साल से मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी का विकास हुआ है जिसमे आशापूर्ण परिणाम मिले है।

ज्यादा से ज्यादा कार्डियाक सर्जरी इस मिक्स प्रक्रिया द्वारा की जा रही है। मिक्स प्रक्रिया सिख़ने में लम्बा समय लग जाने के कारण एवं तकनीकीरूप से जटिल होने के कारण विश्वभर में इतनी मान्यता मिली नहीं है। भारतमे भी १ -२ साल से ही यह पद्धति को गति मिली है और धीरे धीरे वह कार्डियाक सर्जरी क्षेत्र का हिस्सा बन रही है।

हार्ट सर्जरी का परंपरागत अभिगम

स्टैण्डर्ड मिडलाइन स्टर्नोटॉमी इनसिशन (चीरा) के जिसमे छाती की हड्डी को गरदन से ऊपर के पेट की तरफ पूर्ण रुप से चीरा जाता है। सामान्यत: ८ से १० इंच का लम्बा मिडलाइन चीरा किया जाता है।

परंपरागत अभिगम के फायदे

- हार्ट सर्जन द्वारा की जाती प्रक्रिया हे इसलिए परिस्थिति सर्जनके नियंत्रण अधीन रहती है
- सर्जन समस्त जटिल एवं जोखिमी प्रक्रिया कर सकते है

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

- सर्जन ओपरेशन टेबल पर आ सकती कोई भी समस्या को सुलझानेमें सक्षम होते है
- भूतकालमे सर्जननी तालिम यह अभिगम से होने से सर्जन सर्जरी दौरान स्वस्थ और द्रढ होते है

परंपरागत अभिगम के नुक्सान

- पुसली के फ्रेक्चर के कारण पीड़ा एवं वर्टिबो कोस्टल दबाव की वजह से पीठमे दर्द
- घावमे मुश्किल आना और छाती की हड्डीमें सक्रमण होने का ऊँचा दर
- छातीकी हड्डीको काटना फ्रेक्चर गिना जाता है जिसकी वजह से सम्पूर्ण रिकवरी के लिए ३ माह का आराम देना जरुरी होता है जिसकी वजह से ओपन हार्ट सर्जरीके तमाम नियंत्रण लागू किये जाते हे
- धीमी रिकवरी और हलन चलन में विलम्ब होने की वजह से आईसीयू एवं हॉस्पीटल में लम्बे समय तक रुकना हो सकता हे
- युवा दर्दीओमें कॉस्मेटिक के लगाती समस्याएँ
- बड़े दाग जैसे की केलॉइड्स , वायर साइनस एवं न्यूरोलॉजिकल पीड़ा वगैरह

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) के पीछे का उद्देश्य

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) के पीछे का उद्देश्य कार्डियाक ऑपरेशन की परंपरागत पद्धति से जुडी हुई उदासी को कम करना है। उदासी कम करने से हमारा मतलब है ऑपरेशन की वजह से दर्दीको कम असर हो।

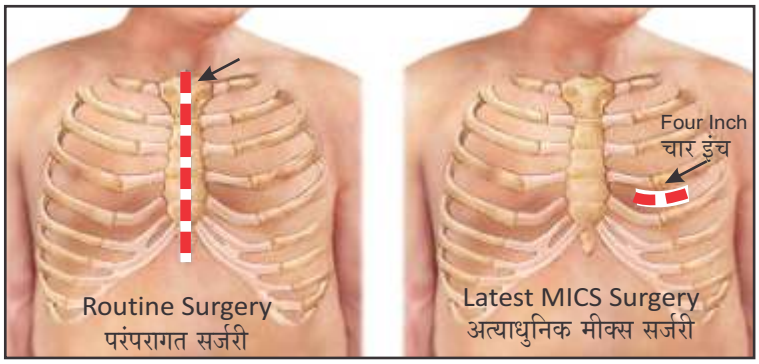

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) की व्याख्या

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी का मतलब छाती की हड्डी को काटने के बाद अथवा छोटे चीरे के द्वारा छाती की हड्डी को अंशत: काटके की जाती कार्डियाक सर्जरी।

सर्जरी के प्रभाव को कम करने के कुछ उपाय हे जैसे की

१. एक रास्ता हे की छाती की हड्डी को काटना टाले। ऐसा करने से दर्दी काम पर या सामान्य कार्य जल्द ही शुरु कर सकते है। दर्द कम होता है और छातीकी हड्डी में संक्रमण की शक्यता कम हो जाती है। ज्यादा तर वाल्वुलर ऑपरेशनमें और कुछ कोरोनरी बायपास ऑपरेशन में स्टर्नोटॉमी को टाला जा सकता है।

इसमें छातीकी हड्डी को नहीं काटने से हड्डीओं के बदले कोमल टिश्युओं को रुज़ाना होता है जिसकी वजह से दर्द कम होता है एवं ऑपरेशन के बाद की रिकवरी जल्दी होती है।

आगे पढे पेज नं. ०४

सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

उत्तराखंड से एयरलिफ्ट किए गए मुंबई के व्यक्ति ने सिम्स में ५५ दिनों के बाद कोरोना को दी मात

चंद्रकांत पटेल अपने परिवार के साथ नैनीताल में छुट्टी पर थे,
तब वे अचानक बीमार पड़ गए और उनकी कोविड-१९ जांच पॉजिटिव आई थी
अहमदाबाद भारत में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में बेहतर स्थान के रूप में उभरा है।
मुंबई के एक वरिष्ठ नागरिक को यहां उमदा उपचार मिला और वे अब संपूर्ण स्वस्थ है।

अहमदाबाद में मोनोक्लोनल एन्टीबोडीज कोकटेईल थेरापी

सिम्स अस्पताल में कोविड-१९ के ट्रीटमेन्ट में
मोनोक्लोनल एन्टीबोडीज़ कोकटेइल थेरापी का उपयोग किया गया।
सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद में ईस प्रकार की थेरापी का
उपयोग करने वाली पहली अस्पतालो में शामिल हुई है।

२. कार्डियाक सर्जरी के प्रभाव को कम करने का एक रास्ता हे हार्ट लंग मशीन यानि की कार्डियोपल्मोनरी मशीन का उपयोग टाला जाये । हार्ट लंग मशीन के साथ कुछ समस्याएँ जैसे की स्ट्रोक, यादशक्तिकम होना, किडनी फ़ैल होना, लंग फैल्योर एवं रक्तस्त्राव जुड़े हुए है। फिर भी हार्ट लंग मशीन वाल्व रिप्लेसमेंट , एएसडी क्लोज़र या जन्म से हार्ट रोग जैसे कई हार्ट ऑपरेशन में आवश्यक है फिर भी सब से सामान्य कार्डियाक ऑपरेशन - कोरोनरी आर्टरी बायपास ऑपरेशन जैसे अन्य ओपरेशनमे इसका उपयोग टाला जा सकता है।

ऑफ़ पम्प कोरोनरी रिवास्क्युलराइज़ेशन

विथ एंडोस्कोपिक वेसल हार्वेस्टिंग

- बीटिंग हार्ट सीएबीजी ग एंडोस्कोपिक वेइन हार्वेस्ट या रेडियल आर्टरी हार्वेस्टिंग
- सीएबीजी से सम्बंधित तनाव को कम करता सर्व-भूत अभिगम
- सर्जिकल रिवास्क्युलराइज़ेशन के लिए कम चीरा लगाने का विकल्प

नॉन-स्टर्नोटॉमी अभिगम

यह अभिगममें पूरी लंबाई की मिडलाइन स्टर्नोटॉमी को टाला जाता है । इसके बदले पुसलीओ के बिच में (थोरेक्टमी अभिगम) का उपयोग किया जाता है जिसमे कोई भी हड्डीको काटा नहीं जाता है या सामान्य ३ -४ इंच के चीरे के साथ अंशत: स्टर्नोटॉमी की जाती है।

मीक्स अभिगम के उपयोग से की जाती प्रक्रिया

१. राइट थोरेक्टमी के द्वारा आर्ट्रीयल सेप्टल डिफेक्ट क्लोज़र (हृदय में जन्म से छेद को बंध करना)

२. राइट थोरेक्टमी द्वारा माइट्रल वाल्व रिपेर या रिप्लेसमेंट (वाल रोग)

३. अंशत: अपर स्टर्नोटॉमी या स्मॉल राइट थोरोकटोमी द्वारा एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट

४. बांए इंटरनल मेमरी आर्टरी एवं रेडियल आर्टरी का उपयोग कर के बायीं तरफ ४ - ५ पंसलीओ के बिच से सिंगल या डबल वेसल बीटिंग हार्ट सीएबीजी

यह सर्जरी के लिए परिवर्तन

मीक्स प्रक्रियामें ओपन हार्ट सर्जरी प्रक्रियामें परंपरागत सीधी ऊपरी एओर्टा एवं दांयी एट्रियम की केन्युलेशन के बदले कार्डियोपल्मोनरी बायपास अलग अलग रस्ते से प्रस्थापित किया जाता है। इसमें एसवीसी गले में पंक्चर कर के केन्यूलेट किया जाता है एवं आईवीसी एओर्टा फेमराल के रस्ते से केन्यूलेट किया जाता है । यह तकनीक में विशेष साधन और केन्युलस तथा ट्रांस एसोफेगल इकोकार्डियोग्राम की ऑपरेशन रूममें जरूर होती है और विशेष तालिम की जरूर होती है। सब केन्युल्स ऑपरेटिव एरिया की बहार होने से सर्जरी के लिए मात्र वर्किंग स्पेस की जरूर होती है और ये विशेष लम्बे साधन के द्वारा ३ - ४ इंच का चीरा लगा के किया जा सकता है।

मीक्स अभिगम के फायदे

- कम से कम चीर - फाड़ की प्रक्रिया जिसकी वजह से दर्द कम होता है
- आईसीयू एवं हॉस्पिटल में कम ठहरना
- ज्यादा जोखिम वाले दर्दी जिनके फेफडे ख़राब हो गए हो या स्ट्रोक आया हो उनके लिए उपयोगी
- स्ट्रोक के दर्दी को जल्दी हलनचलन के लिए विशेषरूप से महत्वपूर्ण
- जल्दी रिकवरी की वजह से दैनिक दिनचर्या में जल्दी जुड़ सकते है। जिसकी वजह से इलेक्ट्रिशियन , सुथार, ड्राइवर १ महीने के अंदर ही काम पर जा सकते है।
- अच्छा कार्डियाक रिहेबिलिटेशन
- सुंदरता को कोई क्षति नहीं पहुँचती है - महिलाओ को स्तन एवं थाई फोल्ड पे घाव के निशान आते हे जो दीखते नहीं है । युवा महिलाए पुरे विश्वास के साथ यह सर्जरी करवा सकते है और कोई भी प्रकार की मनोग्रंथि के बिना फैशनेबल वस्त्र पहन सकते है।

मीक्स प्रक्रिया के लिए मरीजो की पसंदगी के मापदंड

- तमाम निर्देशित मरीज़
- युवा वय पहली पसंदगी
- सामान्य पेरिफेरल वास्क्युलर सिस्टम
- सम्बंधित को-पैथोलॉजी की अनुपस्थिति और पहले किया गया ऑपरेशन
- योग्य मूल्यांकन होना बहुत जरुरी हे जिससे ऑपरेशन टेबल पे कोई अकथ्य घटना होते टाला जाए
- दर्दी की इच्छा

क्या मीक्स प्रक्रिया सबके लिए संभव है ?

मीक्स निम्नलिखित मरीजों के लिए संभव नहीं है जैसे की

- मल्टिपल पैथोलॉजी हो
- पेरिफेरल वास्क्युलर रोग
- सम्बंधित प्राकृतिक लक्षण
- दांयी और ग्राफ्टिंग मुश्किल होने से सीएबीजी के केस में मल्टिवेसल रोग
- बहोत ही स्थूल दर्दी पर थोरेक्टमी करना मुश्किल होता है

सिम्स हॉस्पिटल में हमारा अनुभव

- अहमदाबाद एवं पश्चिम भारत में सम्पूर्ण सुसज्जित मीक्स प्रोग्राम शुरु करने वाला प्रथम अधिकृत सेंटर
- अभी तक २००० से ज़्यादा सफल केस
- भारत में प्रथम हायब्रीड बायपास
- मीक्स पद्धति से ऑपरेट किये गए मरीज़ो में अन्य सेंटरों की तुलना में उच्च गुणवत्ता वाला परिणाम

निष्कर्ष

अंत में इतना ही की , सर्जनों के पास यह नई तकनीक आई हे और उसका फायदा मरीज़ो को जरूर है। यह ऐसी तकनीक हे जिसमे हार्ट सर्जरी में पसंदगी के मरीज़ो को पीड़ा एवं रिकवरी समय में नोंधपात्र कमी होती है। मीक्स प्रक्रिया कार्डियाक मरीज़ो के लिए सच में वरदानरूप है जो युवा मरीज़ोंमे तनाव कम कर परिणामो को सुधरता है। जरूर से यह विकल्प सब मरीज़ो के लिए नहीं हे पर पसंदीदा दर्दीओ के लिए यह अच्छा विकल्प है। पुराणी सर्जरी के साथ नया अभिगम है और नया ऑपरेशन है जिससे हज़ारो मरीजोंको ठीक करने की सक्षमता रही हुई है। यह प्रवाह जारी रहेगा और पुरानी समस्याओ को नई तकनीकों के साथ समाधान लाया जा सकेगा।

अगर आपको डॉक्टर कन्सल्टेशन की आवश्यकता है,
कृपया देर न करें ।

CIMS CALLDOC
टेली कन्सल्टेशन

आज ही एपोईन्टमेन्ट बुक करे

फोन से +91 70690 49567 - सुबह 9:30 से शाम 6.00, सोम से शनि
या इ-एपोईन्टमेन्ट से (www.cims.org)

हम आपसे शीध्र ही संपर्क करेंगे

सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

ईमिनन्ट रीसर्च हेल्थकेयर लीडरशीप अवोर्ड २०२१ में
बेस्ट मल्टि-स्पेश्यालीटी अस्पताल, भारत

हम ईस पुरस्कार को हमारे मरीज़ो का विश्वास और
हमारे सिम्स परिवार के नि:स्वार्थ भाव को समर्पित करते है ।

म्युकोरमाइकोसीस के लक्षणों, निवारण, उपचार एवं परीक्षणों (टेस्ट) के बारेमें जानें

म्युकोरमाइकोसीस क्या है?

म्युकोरमाइकोसीस एक प्रकार का फंगल संक्रमण है, जो वर्तमान में भारत में कोविड -१९ रोगियों में आम है ।

"ब्लैक फुग" के रूप में जाना जाता है।

यह आम तौर पर साइनस, नाक के म्यूकोसा, मौखिक म्यूकोसा, ऊपरी जबड़े, आंखों और फेफड़ों को प्रभावित करता है।

इन लक्षणों पर ध्यान दें।

नाक (नाक से) :

नाक भर जाना, काले रंग का स्त्राव होना, नाक में से, खून निकलना

ओरल :

दांत कमजोर होना, दांत में दर्द होना, मसूड़ों से मवाद निकलना, मसूड़ों में कालापन आना

ऑर्बिट आई :

आई बॉल में सूजन आना, दृष्टि में समस्या होना, आंख खोलने में असमर्थता होना, नेत्रगोलक के हलचल में कठिनाई आना

म्युकोरमाइकोसीस का निवारण

यदि आपको कोविड है और अतिसंवेदनशील समूह (इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड) में आते हैं और स्टेरॉयड थेरेपी /इम्यूनोमॉड्यूलेशन लिया है तो,

- सुगर पर सख्त नियंत्रण रखें/स्वच्छता बनाए रखें।
- शुरुआती लक्षणों के लिए सजग रहें।
- डॉक्टर के पास जाएं।
- सर्वोत्तम परिणाम के लिए शीघ्र जाँच करवाए।

म्युकोरमाइकोसीस का उपचार

म्युकोरमाइकोसीस उच्च मृत्यु दर वाली एक घातक बीमारी है। अगर जल्दी पता चल जाए तो इसका सफलतापूर्वक इलाज किया जा सकता है।

सर्जिकल डिब्रीडमेन्ट :

- यदि नाक/साइनस तक सीमित है तो एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी की जा सकती है।
- यदि मौखिक गुहा/ऊपरी जबड़े पर आक्रमण होता है, तो ओपन सर्जरी/मेक्सिलेक्टोमी/एल्विओलेक्टोमी/दांतों के मुलायम ऊतकों और मांसपेशियों को हटाना।
- आंख में चोट लगने पर डिब्रीडमेन्ट और आंख में इंजेक्शन दिया जा सकता है। यदि कोई दृष्टि नहीं है, तो ओर्बिटल एक्सेन्टरेशन किया जाता है।

दवाई :

एम्फोटेरिसिन बी, सेव्युकोनज़ोल, पोसकोनाज़ोल

म्युकोरमाइकोसीस का निदान करने के लिए किए गए टेस्ट

अधिक स्पष्टता के लिए संदिग्ध रोगी पर प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न परीक्षणों की आवश्यकता होती है :

- नेज़ल बायोप्सी और एन्डोस्कोपी
- ओरल स्वेब - म्यूकोसा से ऊतक बायोप्सी
- सीटी/एमआरआई - कंट्रास्ट, पीएनएस, नेत्रगुहा (ऑर्बिट), मस्तिष्क
- ब्लड टेस्ट, सुगर (आरबीएस) रीनल फंक्शन टेस्ट
- ईएनटी / मेक्सिलोफेसिअल सर्जन / संक्रमक रोग विशेषज्ञ की राय

सीम्स म्युकोर क्लिनिक

सावधान रहे । सुरक्षित रहे ।

सबसे बड़ी ट्रीटमेन्ट टीम में से एक सीम्स अस्पताल में

मल्टीडिसीप्लीनरी एक्सपर्ट की टीम

ईएनटी सर्जन । मेक्सिलोफेसिअल सर्जन । इन्फेकशीयस डीसीज स्पेशियालिस्ट । इन्टेन्सिविटस । पल्मोनोलोजीस्ट । फिजीशियन । नेफ्रोलोजीस्ट एन्डोक्रिनोलोजीस्ट । ओक्युलोप्लास्टीक सर्जन । न्युरो सर्जन । रूमेटोलॉजीस्ट । रेडियोलोजीस्ट । हिस्टोपेथोलोजीस्ट । माइक्रोबायोलोजीस्ट

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

क्या आपके बच्चे में कोविड-१९ के लक्षण दिख रहे हैं ?

बुखार
सर्दी
दस्त
उल्टी
व्यवहार परिवर्तन
(जैसे की रोते रहेना, उदास होना)

चिंता मत करो

मध्यम या हल्के लक्षणों वाले अधिकांश कोविड-१९ संक्रमित बच्चों को सहायक देखभाल के साथ प्रबंधित किया जा सकता है।

आपके बच्चे की देखभाल के लिए - सिम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों को तय करने दें

घर पर ईलाज किया जा सकता है

मुलाक़ात के लिए आना चाहिए

अपोईन्टमेन्ट के लिए फोन करे

मिलने के लिए : **+91-79- 4805 1008 (10:30 am to 12:30 pm)**

टेली कन्सलटेशन के लिए : **+91 70690 49567 (04:30 pm to 06:30 pm)**

सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद
फिर से अमेरिका की ९० साल से स्थापित

US NEWSWEEK MAGAZINE (2021)

(पहले २०२० में) भारत एवं दुनिया की सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक में स्थान दिया गया है।

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2019-2021 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2021
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/088/2019-21 valid upto 31st December, 2021

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2772 2771-75

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 2823

कोविड के बाद होने वाली समस्याएं

भारत जहां कोविड की एक और घातक लहर का सामना कर रहा है, वहीं कई रोगियों को कोविड के बाद समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

नोन-ईन्फेक्शियस कोम्प्लीकेशन्स (बिन-चेपी जटिलताए)

लोन्ग कोविड सिंड्रोम (लंबे समय तक रहने वाले कोरोना लक्षण)

हालांकि फेफड़ों में संक्रमण कम हुआ है, लेकिन कई मरीज लंबे समय तक कोरोना के प्रभाव का अनुभव करते हैं। लक्षणों में लंबे समय तक बुखार, थकान और कमजोरी शामिल हैं। इस सिंड्रोम का प्रभाव ६ महीने तक रह सकता है। जिसमें मरीज लंबे समय तक कोरोना के लक्षणों के प्रभाव से ग्रस्त रहता है और उसे लगता है कि वह पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ है।

पोस्ट-कोविड लंग फाइब्रोसिस

फेफड़ों की महत्वपूर्ण क्षति वाले रोगियों में यह समस्या अधिक आम है। लंबे समय तक वेंटिलेटर या ऑक्सीजन सपोर्ट जैसे लक्षणों के लिए सहायक उपचार के लिए लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की आवश्यकता होती हैं।

संक्रामक जटिलताओं

- फेफड़ों में संक्रमण
- राइनोसेरेब्रल म्यूकोमाइकोसिस
- शरीर के अन्य अंगों से संबंधित संक्रमण जैसे पेट या मूत्र पथ के लक्षण

कोविड के बाद मरीजों में संक्रमण के मामले काफी ज्यादा हैं।

यह स्टेरॉयड, इम्यूनोमॉड्यूलेटरी दवाओं के उपयोग और कोविड के कारण प्रतिरक्षा प्रणाली के बिगड़ने के कारण है। म्यूकोर्मिकोसिस जैसे फंगल संक्रमण की घटनाएं बहुत अधिक हैं और अब हर कोई म्यूकोर्मिकोसिस के बारे में जानता है। म्यूकोर्मिकोसिस के अलावा, कई अन्य फंगल और बैक्टीरियल संक्रमण जैसे एस्परगिलस फंगल संक्रमण आम हैं।

रोगी के लिए समय पर निदान और उपचार सबसे महत्वपूर्ण है।

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices